महामहिम राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का फूड प्रोसेसिंग इन्वेस्टमेंट सम्मिट में भाषण

स्थान:- भोपाल दिनांक :- 21 जनवरी 2012 समय :-प्रात: 10.30बजे

द एसोसिएटेड चेम्बर्स आफ कामर्स एण्ड इन्डस्ट्री आफ इंडिया द्वारा आज यहां फूड प्रोसेसिंग इन्वेस्टमेंट सम्मिट के महत्वपूर्ण आयोजन में उपस्थित होकर और इसका उद्घाटन करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है।

जैसा कि आप सब जानते हैं कि हमारे देश की दो तिहाई आबादी अपने जीवनयापन के लिए खेती पर निर्भर है। इस दृष्टि से कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन अथवा खाद्य प्रसंस्करण में कोई भी निवेश भारतीय समाज के एक बड़े हिस्से के लिए फायदेमंद ही होगा। निश्चित रूप से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में इस लिहाज से इसलिए बहुत क्षमताएं हैं क्योंकि इससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी बल्कि ग्रामीण स्तर पर रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग कृषि अपशिष्टों के संधारण की समस्या जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे में भी सहायक साबित होंगे। ये उद्योग लोगों को जरूरत के अनुरूप भोजन उपलब्ध करा सकेंगे और राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा को और अधिक मजबूत करेंगे।

इस संदर्भ में देश के मध्य में स्थित मध्यप्रदेश में अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में निवेश को बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। वर्ष 2005 में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की स्थापना की गई है। यह मंत्रालय तमाम चुनौतियों और संघर्षों के बाद भी किसानों को मुख्यधारा में बनाये रखने वाले एक आधारभूत मंत्रालय के रूप में उभरा है। इस मंत्रालय ने कृषि आय और ग्रामीण आजीविका में वृद्धि करने में सक्रिय भूमिका निभाई है।

खाद्य प्रसंस्करण की प्रक्रिया में कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन करते हुए खेती से आमदनी और गांव स्तर पर जीवन यापन के अवसरों में आश्चर्यजनक रूप से सुधार लाने की क्षमता है।

हमारे देश में कृषि और जलवायु की अत्यधिक विविधताओं के कारण खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उपयोगी कच्चे माल की भरपूर उपलब्धता है। वर्तमान में बहुत छोटे स्तर पर इनका प्रसंस्करण करके मूल्य संवर्धन किया जाता है। इसलिए अवसर, क्षमताएं और संभावनाएं बहुत विशाल हैं। हमारे देश में हर किस्म की फसल होती है। विश्व में ताजे फलों के हम अग्रणी उत्पादक हैं। सब्जी उत्पादन में हमारा दूसरा स्थान है। खाद्यान्न और दूध के हम बड़े उत्पादक हैं। हमारे पशुधन की संख्या विश्व में सबसे बड़ी है। भेड़ और बकरियों के मामले में हमारा दूसरा बड़ा स्थान है। मुर्गी पालन में हम पांचवें लेकिन मसालों में हम सबसे बड़े उत्पादक उपभोक्ता और निर्यातक हैं।

मैं आपके संगठन को इस बात के लिए धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने इस संवाद के लिए मध्यप्रदेश को चुना और मध्यप्रदेश को निवेश के लिए उपयुक्त स्थल के रूप में बढ़ावा दिया है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस पहल से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को ऊर्जित करने संबंधी प्रयासों को एक बड़ा मंच मिलेगा।

मध्यप्रदेश में केन्द्र सरकार के सहयोग से फल-फूल, मसाले, सब्जियां और औषधीय पौधों की खेती में न केवल आत्म निर्भर बल्कि अग्रणी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गई हैं। मध्यप्रदेश में खरगौन के निमरानी, होशंगाबाद के बाबई, मण्डला के मनेरी में फूड पार्कों को विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा जबलपुर के ग्राम खेरी में भी फूड पार्किंग की स्थापना प्रस्तावित है। साथ ही निमाड़ में केले, छिंदवाड़ा में संतरे और इंदौर में आलू के उत्पादन एवं भण्डारण के लिये समूह आधारित विधि के आधार पर पार्क विकसित किये जा रहे हैं।

प्रदेश में 12वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक राज्य और जिलों के स्तर पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के प्रभावी क्रियान्वयन का लक्ष्य रखा गया है। हाल ही में प्रदेश में फूड पार्कों का विकास एवं संचालन निजी सार्वजनिक सहयोग से करने के लिए अध्ययन रिपोर्ट तैयार की जाकर एक माह में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश में उद्यानिकी हब की नीति तैयार कर ली गई है। जल्दी ही इसे मंत्रीपरिषद के समक्ष अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जायेगा।

मुझे उम्मीद है कि इस आयोजन में जो सारगर्भित विचार सामने आयेंगे वे ज्ञान आधारित और तकनीकों पर केन्द्रित प्रणाली विकसित करेंगे जो खाद्य प्रसंस्करण के उद्योगों की स्थापना में मददगार होंगे और मध्यप्रदेश खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में एक प्राथमिक दर्जे का स्थान बन

सकेगा। इस सम्मिट से निकलने वाले निष्कर्ष राज्य में उपलब्ध संसाधनों और विशेषज्ञता को गतिशील करते हुए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की स्थापना और विकास में सहयोगी होंगे। निश्चित रूप से केवल व्यवसायिक रूप से ही नहीं बल्कि समाजिक रूप से भी ये उद्योग हमारे लिए लाभदायक होंगे। मैं आशा करता हूं कि आपके द्वारा इस सम्मेलन में की गई चर्चा के आधार पर निकाले गए निष्कर्ष निश्चित रूप से फलदायी सिद्ध हो सकेगें। मैं आप सभी के प्रति पुन: अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करता हूं।

जय हिन्द।